K17P 1233

Reg. No. : ....

Name : ....

GOVT CENTRAL LIBRARY THALASSERY

Third Semester M.A. Degree (Reg./Suppl./Imp.) Examination, November 2017
HINDI LANGUAGE AND LITERATURE
HIN3C13 – Modern Hindi Short Stories
(2014 Admn. Onwards)

Time : 3 Hours   Max. Marks : 80

I. निर्देश: **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : **(3×2=6)**

1) प्रेमचंद की पाँच कहानियों के नाम ?

2) कृष्णा सोवती का कहानी – संग्रह ।

3) 'पूस की रात' कहानी के प्रमुख पात्र ?

4) नयो कहानी की दो विशेषताएँ ?

5) निर्मलवर्मा के दो कहानी संग्रह ?

II. निर्देश: **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(4×5=20)**

6) 'वापसी' कहानी की प्रमुख समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

7) नासिरा शर्मा की कहानी कला पर विचार कीजिए ।

8) समकालीन कहानी को प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

9) पठित कहानी के आधार पर अमरकांत की कहानी कला पर विचार कीजिए ।

10) कमलेश्वर और रेणु को कहानियों की तुलना पठित कहानियों के आधार पर कीजिए ।

11) मौका-परस्त कहानी में अभिव्यक्त व्यम्य पर प्रकाश डालिए ।

III. निर्देश: **तीन** प्रश्नों पर निबंध लिखिए : **(3×12=36)**

12) पठित कहानियों के आधार पर समकालीन कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

13) हिन्दी कहानी की उद्‌भव एवं विकास पर लेख लिखिए ।

14) प्रेमचंद युगीन कहानी को विशेषताएँ पठित कहानियों के आधार पर लिखिए ।

15) उदय प्रकाश और संजोव को कहानी कथा पर प्रकाश डालिए ।

16) प्रसाद और यशपाल को कहानी कला को तुलना पठित कहानियों के आधार पर कीजिए ।

P.T.O.

IV. तीन प्रश्नों के सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

17) इस बार लगता है महुआ ने अपने को पकड़ा दिया । खुद ही पकड में आगयी है । उसने महुआ को छू लिया है, पा लिया है, उसकी थकन दूर हो गयी है ।

18) हल्कू ने रुपये लिये और इस तरह बाहर चला मानो अपना हृदय निकालकर देने जा रह हो । उसने मजूरी से एक-एक पैसा काट – काटकर तीन रुपए कम्बल केलिए जमा किए थे ।

19) मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है, सब जल तरल है, सब पवन शीतल है । कोई विशेष आकॉक्षा हृदय में अग्नि के समान प्रज्वलित नहीं । सब मिलाकर मेरे लिए एक शून्य है ।

20) कहते कहते आया का गला रुँध गया . . . दो बरस पहले । तभी तो साहब के यहाँ नौकरी कर रही थी ।

21) पहले विचार था कि कभी इस दीप पर से आलोक जला कर अपने पिता की समाधि का इस जल से अन्वेषण करूँगी । किंतु देखती हूँ, मुझे भी इसी में जलना होगा, जैसे आकाश दीप ।